647510 **BRSHinEC618D** **Seat No :________**

B.R.S. Semester - 6 (*CBCS*) Examination
Oct/Nov -2020
HINDI (ELECTIVE-18)

Time: 2:00 Hours **Marks: 56**

Instructions:

1. Figure to the right indicate marks.
2. There are five questions in the question paper.
3. Answer any four of the following questions.

प्रश्न-१ मैथिलीशरण गुप्त के जीवन – कवन पर प्रकाश डालिए। (१४)

अथवा

प्रश्न-१ गुप्तजीने उपेक्षित स्त्री पात्रों को समाज के सामने प्रस्तुत करने का प्रयास किया है – यशोधरा के संदर्भे में समझाइए।।

प्रश्न-२ 'यशोधरा' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। (१४)

अथवा

प्रश्न-२ यशोधरा की विरह – वेदना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न-३ निम्नांकित में से किन्हीं तीन की संदर्भोमें व्याख्या लीजिए। (१४)

(1) "होता सुख का क्या – मूल्य जो न दु:ख रहता?
प्रिय-हद्रय-सदय हो व पस्ताप क्यों सहता?"

(2) "स्वय सुसज्जित करके क्षण मे।
प्रियतम को प्राणों के पण में,
हमी भेज देती है रण में
क्षात्र – धर्म के नाते।
सखि, वे मुझसे कहकर जाते।"

(3) " में निज राजभवन में सखि प्रियतम है वन मे?
उन्हें समर्पित कर दिये, यदि में ने सब काम।
तो आवेंगे एक दिन, निश्चय मेरे राम।"

(4) वह – जन्म शरण का भ्रमण भाण,
मैं देख चुका हुँ अपरिणाम,
निर्वाण – हेतु मेरा प्रयास।"

(5) दीन – न – हो गोपे, सुनो हीन नहीं नारी कभी,
भूत – दया – मूर्ति वह मन-से-शरीर से,
क्षील हुआ वनमें क्षुधा – से मैं विशेष जब,
मुझको बयाया मातृजाति ने ही खीर से ॥

प्रश्न-४ 'यशोधरा' काल के आधार पर यशोधरा का चरित्र – चित्रण कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न-४ भावपक्ष एवं कलापक्ष के आधार पर यशोधरा काल का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न-५ निम्नांकित परिच्छेद का अनुवाद कीजिए (१४)

"स्त्रियाँ का अपमान होने के बाद धैर्य कैसे रखा जाता? कम या अधिक जितने भी सत्याग्राही मिलें उन्ही के साथ हमने तीव्र सत्याग्रह करने का निश्चय किया। अब स्त्रियाँ को लड़ाई में भाग लेने से रोका नही जा सकता था यही नही, हमने स्त्रियाँ को लड़ाइ में भरती होने का निमंत्रण देन का निश्चय किया। सबसे पहले उन बहनों को निमंत्रण दिया, जो टॉल्सर्टोय फार्म में रह चुकी थीं। वे यो लड़ाई में शरीफ होने के लिए अत्यंत उत्सुक थी। मैंने उन्हे सत्याग्रह की लड़ाई में भाग लेने के सारे खतरों से परिचित कराया। मैं ने उन्हें समझाया कि लड़ाई में सम्मिलत होने के बाद उनके खाने – पीने, पोशाब, सोने – बैठने सब पर नियंत्रण लग जायेगे.. लेकिन वे सब बहनें बहादुर थी, वे मेरी बताई एक भी बात से भयभीत नहीं हुई।"

-गांधीजी

****